# बाल विकास की विशेषतायें अथवा प्रकृति

① विधायक विज्ञान।
② बालक अध्ययन।
③ नैदानिक अध्ययन।
④ व्यवहार का अध्ययन।

① - विधायक विज्ञान :- बाल - विकास या बाल मनोविज्ञान एक विधायक विज्ञान है। विज्ञान दो प्रकार के होते हैं -
(अ) नियामक विज्ञान
(ब) विधायक विज्ञान

नियामक विज्ञान वह है जो यह अध्ययन करता है कि क्या होना चाहिए। जबकि विधायक विज्ञान यह अध्ययन करता है कि क्या है। अतः बाल मनोविज्ञान की यह विशेषता है कि इसमें यह अध्ययन नहीं किया जाता है कि बालक कैसा होना चाहिए, बल्कि इसमें बालक क्या है इसे देखा जाता है। विभिन्न आयामों के सन्दर्भ में।

बालक अध्ययन :- जैसा नाम से स्पष्ट है, इसमें केवल बालक का अध्ययन

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

होता है। इसमें बालक के विषय में निम्नलिखित बातें मुख्यतः अध्ययन की जाती हैं -

(i) विकास।
(ii) विकास को प्रभावित करने वाले तत्व।
(iii) अधिगम।
(iv) प्रेरणा।
(v) स्मृति, विस्मृति।
(vi) मूल प्रवृत्तियाँ।
(vii) संवेग।
(viii) सामान्य प्रवृत्तियाँ।
(ix) रुचि प्रवृत्ति।
(x) आदत।
(xi) ध्यान व रुचि।
(xii) चिन्तन।
(xiii) समायोजन।
(xiv) मानसिक स्वास्थ्य।

(3) वैज्ञानिक अध्ययन :-

बाल विकास में बालक और उससे सम्बन्धित घटकों का अध्ययन दो प्रमुख विधियों द्वारा होता है।

(अ) निरीक्षण -
(ब) परीक्षण।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

④ व्यवहार अध्ययन :-

बाल विकास बालक के व्यवहार का अध्ययन करता है व्यवहार की परिभाषा व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिक वाटसन ने इस प्रकार दी है :—

"व्यवहार व्यक्ति द्वारा उत्तेजनाओं को दी गई प्रतिक्रियाओं का योग है।"

अतः बालक जो भी प्रतिक्रियायें करता है है. वह व्यवहार है उन्ही का अध्ययन बाल विकास में किया जाता है। प्रतिक्रियायें जहाँ एक ओर वातावरण से जुड़ी होती है वही दूसरी ओर मस्तिष्क से भी जुड़ी होती है। अतः इनका अध्ययन महत्वपूर्ण है।

22-9-2020

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया